२. चश्मा वाले का पानवाला क्या समझता था?

३. नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति किसे बुरी लगती थी?

Scanned with CamScanner

17:21

Title

- [ ] निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दे:-
- [ ] १. नेता जी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा किसने लगाया होगा?
- [ ] २. चश्मे वाले को पानवाला क्या समझता था?
- [ ] ३. नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति किसे बुरी लगती थी?
- [ ] ४. हालदार साहब स्वभाव से कैसे थे?
- [ ] ५. मूर्ति में कौन सी कमी थी?
- [ ] ६. सेनानी ना होते हुए भी चश्मे वाले को सभी कैप्टन क्यों कहते थे?
- [ ] ७. हालदार साहब किस आदत से मजबूर थे?
- [ ] ८. पानवाला उदास क्यों हो गया?

+ List item

Scanned with CamScanner

(ख) मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा यह उम्मीद जगाता है कि देश में देशप्रेम एवं देशभक्ति समाप्त नहीं हुई है। बच्चों द्वारा किया गया कार्य स्वस्थ भविष्य का संकेत है। उनमें राष्ट्र प्रेम के बीज अंकुरित हो रहे हैं।

(ग) हालदार साहब सोच रहे थे कि कैप्टन के न रहने से नेताजी की मूर्ति चश्माविहीन होगी परंतु जब यह देखा कि मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का चश्मा लगा हुआ है तो उनकी निराशा आशा में बदल गई। उन्होंने समझ लिया कि युवा पीढ़ी में देशप्रेम और देशभक्ति की भावना है जो देश के लिए शुभ संकेत है। यह बात सोचकर वे भावुक हो गए।

Scanned with CamScanner

हालदार साहब ने ड्राइवर को पहले चौराहे पर गाड़ी रोकने के लिए मना किया था लेकिन बाद में तुरंत रोकने को कहा

(क) हालदार साहब पहले मायूस क्यों हो गए थे?

(ख) मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है?

(ग) हालदार साहब इतनी-सी बात पर भावुक क्यों हो उठे?

उत्तर-

(क) हालदार साहब इसलिए मायूस हो गए थे. क्योंकि वे सोचते थे कि कस्बे के चौराहे पर मूर्ति तो होगी पर उसकी आँखों पर चश्मा न होगा। अब कैप्टन तो जिंदा है नहीं, जो

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1.

सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

उत्तर-

सेनानी न होते हुए भी लोग चश्मेवाले को कैप्टन इसलिए कहते थे, क्योंकि

- कैप्टन चश्मेवाले में नेताजी के प्रति अगाध लगाव एवं श्रद्धा भाव था।
- वह शहीदों एवं देशभक्तों के अलावा अपने देश से उसी तरह लगाव रखता था जैसा कि फ़ौजी व्यक्ति रखते हैं।
- उसमें देश प्रेम एवं देशभक्ति का भाव कूट-कूटकर भरा था।
- वह नेताजी की मूर्ति को बिना चश्मे के देखकर दुखी होता था।

Scanned with CamScanner

1. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

2. हालदार साहब ने ड्राइवर को पहले चौराहे पर गाड़ी रोकने के लिए मना किया था रोकने को कहा–

   (क) हालदार साहब पहले मायूस क्यों हो गए थे?

   (ख) मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है?

   (ग) हालदार साहब इतनी-सी बात पर भावुक क्यों हो उठे?

3. आशय स्पष्ट कीजिए–

   "बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवा होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है।"

4. पानवाले का एक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

5. "वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल!"

   कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए।

Scanned with CamScanner